Dainik Bhaskar (Indore), 16th June 2025, Page – Plus 04

नींद में दिल के दौरे की आशंका का AI से पता लगाएगा IIT

भास्कर संवाददाता | इंदौर

नींद में दिल के दौरे की आशंका का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पता लगाने के लिए आईआईटी इंदौर की टीम काम करेगी। आईआईटी इंदौर के इन्क्यूबेशन सेंटर दृष्टि फाउंडेशन की टीम एम्स दिल्ली के साथ मिलकर इस पर रिसर्च करने वाली है। इसके लिए दृष्टि की टीम ने एम्स के डॉक्टर के साथ बैठक कर रणनीति तय की।

एम्स के डॉक्टर से पता चला था कि दिल के मरीजों में होने वाले ऑब्सट्रक्टिव स्लिप एपनिया (ओएसए) (यानी नींद में दिल का दौरा आना) की जांच के लिए जो स्लिप स्टडी करवाई जाती है, उसके परिणामों को डॉक्टर मैन्युअली देखते हैं। इसकी वजह से कई बार निर्णय लेने में चूक हो सकती है। ऐसे में इस टेस्ट के नतीजों और उसके आधार पर ओएसए की गंभीरता का पता लगाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट को एम्स की तरफ से डॉ. संजीव सिन्हा, डॉ. राजीव नारंग, डॉ. रेणुका तितियाल और डॉ. शिवम पांडे देखेंगे।

ऐसे करेंगे स्लिप स्टडी

स्लिप स्टडी में मस्तिष्क की तरंगें, हार्ट रेट, ब्लड में ऑक्सीजन की मात्रा, आंखों और पैरों की गतिविधियां आदि की मॉनिटरिंग की जाती है। इन सब के आधार पर तय होता है कि व्यक्ति को स्लिप एपनिया की कितनी गंभीर आशंका है। डीएसटी की तरफ से बैठक में डॉ. एकता कपूर शामिल हुईं। वहीं दृष्टि की तरफ से प्रोजेक्ट पर सीईओ आदित्य व्यास और वैभव जैन काम करेंगे।

2 साल में बनेगा एआई मॉडल

दृष्टि जिस मॉडल पर काम करने का विचार कर रहा है, उसमें एआई को स्लिप स्टडी क्या होती है, इसके पैरामीटर्स क्या होते हैं, इस पर ट्रेनिंग दी जाएगी। डॉक्टर ने क्या डायग्नोसिस दिया है, ये भी एआई के सिस्टम में फीड किया जाएगा। फिर ये मॉडल स्लिप स्टडी के आधार पर बताएगा कि मरीज को नींद में दिल का दौरा पड़ने की कितनी आशंका है। इस पूरी प्रक्रिया में 2 साल लग सकते हैं।